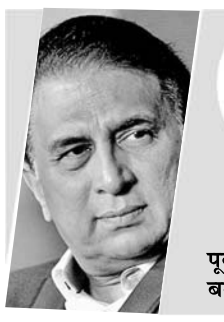

मुझे उम्मीद है कि धोनी बैटिंग ऑर्डर में ऊपर आएंगे ताकि उन्हें दो तीन ओवर अधिक खेलने को मिलें। वह बड़ी पारियां खेलने में माहिर हैं।
-सुनील गावस्कर

पूर्व भारतीय कप्तान, धोनी के बल्लेबाजी क्रम को लेकर।

आज का खिलाड़ी ▶ **बेन स्टोक्स**

इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान और चेन्नई सुपरकिंग्स के ऑल राउंडर बेन स्टोक्स इस साल होने वाली एशेज श्रृंखला के दौरान आक्रामक बल्लेबाजी की अपनी रणनीति पर कायम रहकर तेज गेंदबाजी के लिए अनुकूल परिस्थितियों में तूफानी गेंदबाजी का सहारा लेकर आस्ट्रेलिया के कड़ी परीक्षा लेना चाहते हैं। स्टोक्स ने कहा कि बल्लेबाजी में अपनी इस रणनीति पर कायम रहते हुए वह तेज गेंदबाजों की फौज को उतारकर जून में शुरू होने वाली एशेज श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया के लिए नया खतरा पैदा करना चाहते हैं।

क्या आप जानते हैं ?... जिम्बाब्वे के तातेन्द्र तेपु ने मई 2004 में श्रीलंका के विरुद्ध अपनी टीम की कप्तानी करके सबसे कम उम्र का टेस्ट कप्तान बनने का रिकार्ड अपने नाम कर लिया।

राजस्थान ने भेदा चेपौक का किला, चेन्नई को तीन रन से हराया

चेन्नई, 12 अप्रैल। राजस्थान रॉयल्स ने जॉस बटलर (36 गेंद, 52 रन) के शानदार अर्द्धशतक के बाद रविचंद्रन अश्विन (25/2) और युज़वेंद्र चहल (27/2) की किफायती गेंदबाजी की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स को उसके गढ़ चेपौक स्टेडियम पर खेले गये इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के रोमांचक मुकाबले में बुधवार को तीन रन से मात दी। राजस्थान ने चेन्नई के सामने 176 रन का लक्ष्य रखा। महेंद्र सिंह धोनी (32 नाबाद) और रवींद्र जडेजा (25 नाबाद) के प्रयासों के बावजूद चेन्नई 20 ओवर में 172 रन तक ही पहुंच सकी। सलामी बल्लेबाज बटलर और देवदत्त पडिक्कल ने राजस्थान को मजबूत शुरुआत दिलाई मगर जडेजा (21/2) की कंजूस गेंदबाजी ने विपक्षी टीम को 175 रन पर ही रोक दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए चेन्नई 17 ओवर में मात्र 122 रन बनाकर संकट में थी, लेकिन धोनी ने समय का पहिया पीछे घुमाते हुए एक विस्फोटक खेलकर मैच को रोमांचक बना दिया। चेन्नई को जब पांच गेंद पर 21 रन की जरूरत थी तब धोनी ने दो दनदनाते छक्के जड़े, लेकिन संदीप शर्मा ने अगली तीन गेंदों पर सिर्फ तीन रन देकर राजस्थान को इस गलाकाट प्रतियोगिता में विजय दिलाई।

हार के बाद भी सकारात्मक रवैया रखना जरूरी : अक्षर

नयी दिल्ली, 12 अप्रैल। दिल्ली कैपिटल्स भले ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के अपने शुरुआती चार मुकाबले हार गयी हो, लेकिन उनके उपकप्तान अक्षर पटेल का मानना है कि टीम को विपरीत परिस्थितियों में भी सकारात्मक सोच रखने की जरूरत है।

अक्षर ने मंगलवार को यहां संवाददाताओं से कहा, ''चार हार के बाद, सोचने के दो तरीके हैं। हम यह सोच सकते हैं कि चार हार के बाद रन रेट भी खराब हो गया है, तो अब कुछ अच्छा नहीं होने वाला। दूसरी ओर, यदि आपका रवैया सकारात्मक है, और आप अगले मैच में क्या करने जा रहे हैं, इसके बारे में सोचें तो आप अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम होंगे। सकारात्मक बने रहना महत्वपूर्ण है और हम इसी बारे में बात करते रहते हैं।

दिल्ली को मंगलवार को मुंबई इंडियन्स के हाथों रोमांचक मुकाबले में छह विकेट की हार मिली। अक्षर ने 25 गेंद पर 54 रन की पारी खेलकर दिल्ली को 172 रन तक पहुंचाया था, लेकिन मुंबई ने यह लक्ष्य आखिरी गेंद पर हासिल कर लिया।

अक्षर ने अपनी बल्लेबाजी के बारे में कहा, एक ऑलराउंडर के रूप में जब आप 20-30 रन बनाते हैं, तो आपको लगता है कि आप बड़े शॉट लगा सकते हैं। मैंने उस सोच को बदला है। श्रीलंका सीरीज से जब मैंने रन बनाए तो मुझमें आत्मविश्वास आया और उसी आत्मविश्वास को लेकर मैं आगे चला।'' उन्होंने कहा, ''अगर आप तीनों प्रारूपों में भारत के लिये खेल रहे हैं तो इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। विराट कोहली और रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ियों ने मुझे मानसिकता ठीक करने के बारे में कुछ बातें बताईं हैं। दिल्ली के साथ जुड़ने के बाद दादा (सौरव गांगुली) और रिकी पॉन्टिंग ने भी मेरी तकनीक पर काम किया है।''

अक्षर जब बल्लेबाजी करने उतरे तब दिल्ली ने 13 ओवर में 98 रन पर पांच विकेट गंवा दिये थे, हालांकि इसके बाद उन्होंने डेविड वॉर्नर के साथ छठे विकेट के लिये साझेदारी की और टीम 18 ओवर में 165 रन के स्कोर पर पहुंच गयी। मुंबई ने एक बार फिर वापसी करते हुए 19वें ओवर की पहली गेंद पर अक्षर को पवेलियन लौटा दिया। उनका विकेट गिरते ही दिल्ली की टीम सात रन के अंदर सिमट गयी।

अक्षर ने अपने विकेट पर कहा, ''इसमें थोड़ी गलती मेरी भी है। मैं उन अंतिम 10 गेंदों को अलग तरह से खेल सकता था और इससे हमारे खाते में आखिरी ओवरों में कुछ रन जुड़ सकते थे। अगर स्कोर 175-180 के बीच होता तो मैच अलग होता।'' दिल्ली की हार का एक बड़ा कारण वॉर्नर की फॉर्म भी रही, जो इस आईपीएल में तीन अर्द्धशतक भले ही जड़ चुके हैं।

मैनचेस्टर सिटी लगातार तीसरे साल चैम्पियंस लीग के सेमीफाइनल में पहुंचने के करीब

मैनचेस्टर, 12 अप्रैल। मैनचेस्टर सिटी ने बायर्न म्युनिख को क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में 3-0 से हराकर लगातार तीसरे साल चैंपियंस लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश करने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। बायर्न म्युनिख अगले सप्ताह जर्मनी में होने वाले दूसरे चरण में अपने घरेलू दर्शकों के सामने वापसी की कोशिश करेगा। मैनचेस्टर सिटी के हाथों हार से पहले इस सत्र में बायर्न म्युनिख का चैंपियंस लीग में शत प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड रहा था। इस बीच उसने इंटर मिलान, बार्सिलोना और पेरिस सेंट जर्मेन जैसी टीमों को भी हराया था लेकिन मैनचेस्टर सिटी के सामने उसकी एक नहीं चली। मैनचेस्टर सिटी ने शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाया जिसका उसे फायदा मिला। उसकी तरफ से रोड्री, बर्नार्डो सिल्वा और एरलिंग हालैंड ने गोल किये।

चैम्पियंस लीग क्वार्टर फाइनल में बेनफिका को हराकर जीत की राह पर लौटा इंटर मिलान

लिस्बन, 12 अप्रैल। इंटर मिलान ने चैंपियंस लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में बेनफिका को 2-0 से हराकर फिर से जीत की राह पकड़ी। इंटर मिलान इससे पहले छह मैचों में जीत दर्ज नहीं कर पाया था लेकिन उसने तब जीत हासिल की जबकि इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। इससे वह एक दशक से भी अधिक समय में पहली बार चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में जगह बनाने की स्थिति में पहुंच गया है। पहला हाफ गोल रहित छूटने के बाद इंटर मिलान की तरफ से निकोलो बारेला और रोमेलु लुकाकू ने दूसरे हाफ में गोल किए। इंटर मिलान की यह पिछले एक महीने से भी अधिक समय में पहली जीत है जबकि बेनफिका की सभी प्रतियोगिताओं में 15 मैचों में अजेय रहने के बाद यह लगातार दूसरी हार है। बेनफिका ने इस बीच 13 मैचों में जीत दर्ज की थी।

नॉर्दन यूनाइटेड, रॉयल बंगाल का धमाकेदार प्रदर्शन

नयी दिल्ली, 12 अप्रैल। नॉर्दन यूनाइटेड एफसी ने अशोक एफसी को एक रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराकर बुधवार को फुटबॉल दिल्ली बी-डिवीजन लीग में पूरे अंक अर्जित किए। विजेता के लिये तुषार, सौरभ कुमार और आर्यन असवाल ने गोल जमाये। पराजित अशोका के गोल जय सिंह और आर्यन ने किये। एक अन्य संघर्षपूर्ण मैच में ईआईएमआई को रॉयल बंगाल ने 1-1 से ड्रॉ पर रोककर अंक बांटे। रॉयल का गोल शशांक मालकोटी ने और प्रतिद्वंद्वी का गोल यमन सिंह ने किया। बंगाल के गोली सुल्तान अली को सुभाशीष ने मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया। दिन के एक बड़े स्कोर वाले मैच में जुबा संघा ने रोहिणी एफसी को 13 गोलों से हराकर रिकार्ड जीत दर्ज की। दिल्ली की संतोष ट्रॉफी टीम के सितारों और प्रीमियर लीग के प्रमुख क्लबों के खिलाड़ियों से सजे जुबा संघा के लिये महीप अधिकारी ने तिकड़ी जमाई। दिन के अन्य मैचों में दिल्ली हीरोज ने हंस को 2-1 से और कॉलेजियन ने लोधी एससी को चार गोलों से परास्त किया।

रूड मोंटे कार्लो मास्टर्स के तीसरे दौर में

मोनाको, 12 अप्रैल। चौथे वरीय कास्पर रूड ने क्ले कोर्ट पर अपनी जीत के क्रम को नौ मैच तक पहुंचाते हुए बुधवार को यहां मोंटे कार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में जगह बनाई। फ्रेंच ओपन 2022 के उप विजेता रूड ने कड़े मुकाबले में बोटिक वेन डि जेंडशुल्प को सीधे सेट में 7-5, 7-6 से हराया। दूसरे सेट में एक सेट प्वाइंट बचाने वाले रूड अगले दौर में यान लेनार्ड स्ट्रूफ से भिड़ेंगे जिन्होंने 14वें वरीय एलेक्स डि मिनोर को 6-3, 6-2 से हराया। सातवें वरीय यानिक सिनर, 13वें वरीय एलेक्सांद्र ज्वेरेव और 16वें वरीय लोरेंजो मुसेटी भी तीसरे दौर में जगह बनाने में सफल रहे।

इतने सारे युवा खिलाड़ियों के साथ दिल्ली कैपिटल्स को अच्छी टीम बनने में समय लगेगा : गांगुली

नयी दिल्ली, 12 अप्रैल। दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली को लगता है कि टीम 'अनकैप्ड' युवाओं से भरी है जो 'विजयी' टीम बनने के लिए अपना समय लेगी और हर किसी को इसे यह जरूरी समय देना चाहिए। दिल्ली कैपिटल्स की टीम लगातार चार हार से 10 टीम की तालिका में निचले स्थान पर चल रही है और पूर्व भारतीय कप्तान ने स्वीकार किया कि इससे निराशा होती है।

गांगुली ने कहा, ''ये हार निश्चित रूप से निराशा देती हैं, यह टीम 2019 के बाद से जिस तरह से खेल रही है विशेषकर इसलिए। लेकिन खेल में इस तरह की चीजें होती रहती हैं। जब आप हारते हो तो यह कभी भी आसान नहीं होता। हमारी टीम में इतने सारे युवा खिलाड़ी हैं और हमें अच्छी टीम बनने के लिए समय लगेगा। ''

लेकिन गांगुली ने जोर दिया कि खिलाड़ियों को यह जानने की कोशिश करने की जरूरत है कि क्या चीज गलत रही। उन्होंने कहा, ''यह सिर्फ यहीं से हो सकता है और उम्मीद करता हूं कि युवा खिलाड़ी बेंगलुरू में ऊंचे स्कोर वाले विकेट पर अच्छा करेंगे। वापसी के लिए आपको तरीका खोजना पड़ता है। ऐसा हर किसी के साथ हो चुका है। गांगुली ने कहा, ''जब आप लंबे समय के लिए खेलते हो तो आप इस तरह के दौर से गुजरते हो। यह अपने अंदर झांकने की तरह है और यह पूछने कि तरह कि मैं इसके कैसे बदल सकता हूं। ''

यह पूछने पर कि टीम को किन पहलुओं पर सुधार करने की जरूरत है तो गांगुली ने कहा, ''हमें काफी बेहतर बल्लेबाजी करनी होगी। अक्षर शानदार रहा है, इसी वजह से हम 170 रन से ऊपर का स्कोर बना पाये हैं। लेकिन हमें अन्य खिलाड़ियों के अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। ललित ने दिल्ली के विकेट पर अच्छी गेंदबाजी की। लेकिन हमारे लिए सबसे अहम चीज एकजुट होकर स्कोरबोर्ड पर रन जुटाना है।

एशियाई चैम्पियनशिप के चौथे दिन भारत ने जीते चार पदक

अस्ताना, 12 अप्रैल। भारत की युवा पहलवान अंतिम पंघाल ने बुधवार को यहां एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप के फाइनल में जापान की अकारी फुजीनामी से हारने के बाद रजत पदक से संतोष किया, जबकि अंशु मलिक ने कांस्य पदक मुकाबले में मंगोलिया की एर्डेनेसुवद बैट एर्डीन को मात दी।

भारत की 18 वर्षीय पहलवान को महिलाओं के 53 किग्रा वर्ग में फुजीनामी के हाथों 10-0 की हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले हालांकि उन्होंने सेमीफाइनल में उज़्बेकिस्तान की आकतेंगे कियुनिमजाएवा को 8-1 से रौंदा था। पंघाल ने अपने अभियान की शुरुआत सिंगापुर की हियाओ पिंग अल्वीना लिम को चित्त करके जीती थी, जबकि क्वार्टरफाइनल में उन्होंने चीन की ली डेंग को 6-0 से परास्त किया था।

इसी बीच, युवा प्रतिभा अंशु मलिक ने अपनी मंगोलियाई प्रतिद्वंदी एर्डीन को 10-0 से हराकर कांसे का तमगा हासिल किया। अंशु को उनके सेमीफाइनल मैच में जापान की साई नैनजो ने टैपआउट के माध्यम से हराया था। नैनजो ने जीत हासिल करने के लिये अंशु के बाएं पैर को जकड़ लिया था और भारतीय पहलवान हार के बाद दर्द से कराह रही थीं। विश्व चैंपियनशिप 2021 की रजत पदक विजेता अंशु ने हालांकि कांस्य पदक मुकाबले में बेहतरीन वापसी की और तकनीकी श्रेष्ठता से अपनी मंगोलियाई प्रतिद्वंदी को हराया।

जीत की राह पर लौटना चाहेंगे पंजाब, गुजरात

मोहाली, 12 अप्रैल। पंजाब किंग्स गुरुवार को यहां पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन आईएस बिंद्रा स्टेडियम पर इंडियन प्रीमियर लीग के अपने चौथे मैच में गत चैंपियन गुजरात टाइटंस से भिड़ेगी। शिखर धवन की अगुवाई वाली पंजाब रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल 2023 की अपनी पहली हार झेलने के बाद वापसी करना चाहेगी। दूसरी ओर, आखिरी ओवर में रिंकु सिंह के अविश्वसनीय प्रहार को भुलाकर गुजरात भी जीत की राह पर लौटना चाहेगी।

पिछले मैच में टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए पंजाब की बल्लेबाजी धराशाई हो गयी, हालांकि कप्तान धवन ने एक बार फिर बेहतरीन नेतृत्व का प्रदर्शन किया और 66 गेंद में नाबाद 99 रन बनाकर पंजाब को निर्धारित 20 ओवर में 143/9 का सम्मानजनक स्कोर बनाने में मदद की। हैदराबाद ने हालांकि राहुल त्रिपाठी की नाबाद 48 गेंद में 74 रन और एडन मार्करम की 21 गेंद में नाबाद 37 रन की पारी की बदौलत आठ विकेट से जीत दर्ज की।

मुख्य कोच ट्रेवर बेलिस की निगरानी में पंजाब ने अपने शुरुआती दो मैचों में कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स को हराकर आईपीएल 2023 अभियान की शुरुआत की थी। इस टीम के लिये कप्तान धवन अभी तक शानदार फॉर्म में रहे हैं, हालांकि गुजरात के खिलाफ पंजाब को अन्य बल्लेबाजों से भी बड़ी पारियों की उम्मीद होगी।

जितेश शर्मा और प्रभसिमरन को अब तक अच्छी शुरुआत मिली हैं लेकिन ये युवा बल्लेबाज इन मौकों को बड़ी पारियों में नहीं बदल सके हैं। अगर ये बल्लेबाज अपनी लय का अच्छा प्रयोग करते हैं तो पंजाब के लिये निश्चित ही अच्छा संकेत होगा। लायम लिविंगस्टन की वापसी से भी टीम की बल्लेबाजी को आवश्यक संबल मिलेगा। गेंदबाजी विभाग में वामहस्त तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पंजाब के लिये प्रमुख रहे हैं। इस 24 वर्षीय गेंदबाज ने पहले ही तीन मैचों में 14.33 की औसत और 8.60 की इकॉनमी से छह विकेट ले लिये हैं। टी20 विश्व कप 2022 में दमदार प्रदर्शन के बाद मिले अनुभव से वह जरूर ही अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी को टूर्नामेंट के अंतिम हिस्से में फायदा पहुंचाना चाहेंगे। मौजूदा आईपीएल चैंपियन गुजरात भी रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कोलकाता के खिलाफ सीजन की अपनी पहली हार पर जीत का मरहम लगाना चाहेगी। साईं सुदर्शन (53) और विजय शंकर (नाबाद 63) के अर्द्धशतकों ने गुजरात को उनके 20 ओवर में 204/4 पर पहुंचाया था। अग्रणी लेग स्पिनर राशिद खान ने हैट्रिक लेकर कोलकाता को 16.3 ओवर में 155/7 पर समेट दिया था।

पीजीटीआई प्लेयर्स चैम्पियनशिप के पहले दिन चार खिलाड़ियों को संयुक्त बढ़त

चंडीगढ़, 12 अप्रैल। अमेरिका के वरूण चोपड़ा, गुरुग्राम के टैपी घई, मैसुरू के यशास चंद्रा और कोलकाता के मोहम्मद संजू ने बुधवार को यहां पीजीटीआई प्लेयर्स चैंपियनशिप के पहले दिन चार अंडर 68 के स्कोर के साथ संयुक्त बढ़त हासिल की। शीर्ष पर चल रहे चार खिलाड़ियों से एक शॉट पीछे सात गोल्फर संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर चल रहे हैं। इनमें आठवें होल में होल इन वन करने वाले सचिन बसोया, हरेंद्र गुप्ता, गत चैंपियन युवराज सिंह संधू और अक्षय शर्मा शामिल हैं। इनके अलावा मारी मुथु, हर्ष गंगवार और दिव्यांशु बजाज भी संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर चल रहे हैं।

आईएसएसएफ ने स्वर्ण पदक के लिए शीर्ष दो निशानेबाजों के बीच मुकाबले के नियम को खत्म किया

नयी दिल्ली, 12 अप्रैल। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ ने विश्व कप और ओलंपिक सहित अन्य बड़ी खेल प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक के लिए फाइनल्स में सबसे अधिक अंक जुटाने वाले दो निशानेबाजों के बीच मुकाबले के एक अतिरिक्त चरण को हटा दिया है और पुराने प्रारूप को बहाल किया है। आईएसएसएफ ने 2020 तोक्यो ओलंपिक खेलों के बाद पिस्टल और राइफल निशानेबाजी में विजेता का फैसला करने के लिए फाइनल में अतिरिक्त चरण की शुरुआत की थी।

आईएसएसएफ अब फिर से पुरानी एलिमिनेशन प्रणाली पर वापस चला गया है जहां सर्वश्रेष्ठ स्कोरर को स्वर्ण पदक मिलेगा। शीर्ष दो निशानेबाज अब स्वर्ण पदक के लिए अलग से प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे। यह परिवर्तन बाकू (8-15 मई) में आईएसएसएफ पिस्टल/राइफल विश्व कप से प्रभावी होगा और पेरिस में 2024 ओलंपिक खेलों के दौरान भी इसका पालन किया जाएगा।

खेल को और अधिक दर्शकों के अनुकूल बनाने के लिए 2020 तोक्यो ओलंपिक के बाद फाइनल के लिए अंकों का एक नया प्रारूप पेश किया गया था जहां पहले की एलिमिनेशन प्रक्रिया की जगह दो सर्वाधिक अंक जुटाने वाले निशानेबाजों के बीच स्वर्ण पदक के लिए मुकाबला होता था। पहले 16 अंकों तक पहुंचने वाले निशानेबाज को विजेता घोषित किया जाता था।

यह प्रणाली भोपाल में हाल ही में समाप्त हुए आईएसएसएफ पिस्टल/राइफल विश्व कप तक लागू थी। आईएसएसएफ ने क्वालीफिकेशन दौर में कोई बदलाव नहीं किया है जहां से सबसे ज्यादा स्कोर करने वाले आठ निशानेबाज फाइनल में जगह बनाते हैं। फाइनल के लिए प्रारूप में बदलाव करके आईएसएसएफ ने न केवल अंक प्रणाली को सरल बनाया है बल्कि दर्शकों के लिए भी मुकाबले को समझना आसान कर दिया है। नवीनतम प्रारूप के अनुसार फाइनल में सभी आठ निशानेबाजों को पांच शॉट की दो सीरीज मिलेंगी।

इसके बाद 14 एकल मैच शॉट होंगे जहां आठ फाइनलिस्टों में सबसे कम अंक प्राप्त करने वाला निशानेबाज 12वें शॉट के बाद बाहर हो जाएगा और यह प्रक्रिया हर दो शॉट पर तब तक जारी रहेगी जब तक कि पदक विजेताओं का फैसला नहीं हो जाता। विजेता का फैसला करने के लिए फाइनल में कुल 24 शॉट दागे जाएंगे।

भारत के राइफल कोच और हाई परफॉर्मेंस मैनेजर दीपक दुबे ने कहा कि पिस्टल और राइफल टीम को नए नियमों से अवगत करा दिया गया है और वे नए नियम को ध्यान में रखते हुए बाकू में होने वाले विश्व कप के लिए ट्रेनिंग करेंगे।

स्टोक्स और आर्चर चोटों का बखूबी ध्यान रखेंगे : इयोन मोर्गन

मुंबई, 12 अप्रैल। पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन को भरोसा है कि इंग्लैंड के मुख्य क्रिकेटर बेन स्टोक्स और जोफ्रा आर्चर अपनी चोटों का अच्छी तरह ध्यान रखेंगे और उन्होंने साथ ही कहा कि ये दोनों सिर्फ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए ही नहीं बल्कि इस साल के अंत में विश्व कप और एशेज श्रृंखला की तैयारी कर रहे हैं। स्टोक्स पैर के अंगूठे की चोट की वजह से बाहर चल रहे हैं जबकि आर्चर की उसी कोहनी में परेशानी है जिसका बीते समय में दो बार ऑपरेशन हो चुका है जिसके कारण वह लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहे थे। मोर्गन ने बुधवार को 'वर्चुअल' बातचीत में कहा, ''ये दोनों काफी अनुभवी खिलाड़ी हैं। वे अपने शरीर को अच्छी तरह जानते हैं। बेन ने अपने पूरे करियर में सभी तीनों प्रारूपों में अपने शरीर का अच्छी तरह ध्यान रखा है।'' उन्होंने कहा, ''जोफ्रा ने वापसी की है और वह अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। निश्चित रूप से उसे थोड़ी परेशानी हुई थी। लेकिन ये खिलाड़ी अपने शरीर को बखूबी जानते हैं, वे सिर्फ इसी आईपीएल सत्र के लिए नहीं बल्कि पूरे साल के लिए तैयारी कर रहे हैं।'' स्टोक्स पिछले कुछ समय से अपने बायें घुटने की चोट से परेशान हैं और उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ चेन्नई में केवल एक ही ओवर फेंका था जबकि आर्चर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ सत्र के शुरुआती मैच के बाद से मुंबई इंडियंस के लिए नहीं खेले हैं। उन्होंने कहा, ''बेन जूझ नहीं रहा है, वह अंगूठे की चोट के कारण परेशान है। जोफ्रा के बारे में मैं निश्चित नहीं हूं लेकिन उसे हल्की चोट है। अगर वे आईपीएल में नहीं खेल रहे होते तो वे काउंटी क्रिकेट खेल रहे होते जिसमें भी इतना ही जोखिम होता है। बल्कि उसमें (काउंटी) जोखिम का स्तर ज्यादा होता क्योंकि वे ज्यादा ओवर फेंकते और चार दिवसीय क्रिकेट खेलते।'' विश्व कप विजेता कप्तान मोर्गन ने कहा, ''मेरी नजर में आईपीएल में सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ खेलना सर्वश्रेष्ठ है और इससे आप काफी दबाव में आ जाते हो जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के समान ही है। इस साल विश्व कप है और एशेज श्रृंखला भी है तो उन पर अतिरिक्ति जिम्मेदारी है। ''

रोहिता का फॉर्म में लौटना मुंबई के लिये अच्छा संकेत : शास्त्री

कोलकाता, 12 अप्रैल। पूर्व भारतीय कोच और कमेंटेटर रवि शास्त्री ने कहा है कि मुंबई इंडियन्स के कप्तान रोहित शर्मा का फॉर्म में लौटना टीम के लिये अच्छा संकेत है। मुंबई ने मंगलवार को दिल्ली कैपिल्स के खिलाफ छह विकेट की रोमांचक जीत दर्ज करके अंक तालिका में अपना खाता खोला। दिल्ली ने मुंबई के सामने 173 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे रोहित की टीम ने आखिरी गेंद पर हासिल कर लिया। रोहित ने अपनी टीम की अगुवाई करते हुए 45 गेंद पर 65 रन की पारी खेली, जिसमें छह चौके और चार छक्के शामिल रहे। शास्त्री ने रोहित की प्रशंसा करते हुए कहा, ''रोहित शर्मा ने शानदार ढंग से दिल्ली के खिलाफ दबाव को कम किया। उन्होंने आगे आकर टीम का नेतृत्व किया। इस मैच जीतने वाले प्रदर्शन से उन्हें और मुंबई इंडियन्स को बहुत फायदा होगा। इस जीत से मुंबई इंडियन्स को टूर्नामेंट में आगे बढ़ते हुए काफी आत्मविश्वास मिलेगा।'' मुंबई इस समय अंक तालिका में एक जीत और दो हार के साथ आठवें स्थान पर है।

गेंदबाजों को बार-बार चोट लगना हास्यास्पद : शास्त्री

नयी दिल्ली, 12 अप्रैल। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच रवि शास्त्री ने वरिष्ठ भारतीय गेंदबाजों को बार-बार लगने वाली चोटों पर निराशा जताते हुए कहा है कि किसी खिलाड़ी का इतनी आसानी से चोटग्रस्त होना अवास्तविक और हास्यास्पद है। शास्त्री ने यह टिप्पणी दीपक चाहर की नवीनतम चोट पर चर्चा के दौरान की। चेन्नई सुपर किंग्स के लिये खेलने वाले चाहर मुंबई इंडियंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में सिर्फ एक ओवर फेंककर बाएं हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण मैच से बाहर हो गये थे।

शास्त्री ने बुधवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सुपर किंग्स के घरेलू मैच से पहले ईएसपीएन क्रिकइंफो के एक कार्यक्रम में कहा, ''पिछले तीन या चार वर्षों में काफी खिलाड़ी ऐसे हैं जो एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) के स्थायी निवासी बन गये हैं। जल्द ही, उन्हें वहां किसी भी समय चलने के लिये आवासीय मंजूरी मिल जाएगी, जो बिल्कुल भी अच्छी बात नहीं है। यह अविश्वसनीय है।'' पिछले पांच महीनों में चाहर हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण दूसरी बार अपने चार ओवर पूरे किये बिना एक मैच से बाहर गये हैं। पिछले दिसंबर में मीरपुर में बंगलादेश के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में चाहर ने तीन ओवर फेंकने के बाद मैदान छोड़ दिया था। इसके बाद वह बेंगलुरु में एनसीए में लौट आए, जहां उन्होंने लगभग अपना पूरा 2022 गुजारा था।

चाहर एकमात्र ऐसे भारतीय तेज गेंदबाज नहीं हैं जिन्हें बार-बार चोट लगने के कारण लंबे समय तक दरकिनार किया गया। जसप्रीत बुमराह, नवदीप सैनी, कुलदीप सेन, मोहसिन खान और यश दयाल सभी हाल-फिलहाल में अलग-अलग समय पर क्रिकेट से दूर हुए हैं। शीर्ष भारतीय गेंदबाज बुमराह ने हाल ही में पीठ की सर्जरी भी करवाई है।

शास्त्री सबसे ज्यादा इस बात से परेशान हैं कि इनमें से अधिकांश खिलाड़ियों पर कार्यभार बहुत ज्यादा नहीं था और एनसीए की मेडिकल टीम द्वारा फिट घोषित किये जाने के बावजूद, वे अभी भी चोटग्रस्त हो रहे थे। शास्त्री ने कहा, शास्त्री ने कहा, ''आप इतना क्रिकेट खेल ही नहीं रहे हैं कि आपको बार-बार चोट लगे। आप लगातार चार मैच नहीं खेल सकते हैं। आप एनसीए में किस लिये जा रहे हैं अगर आप वापस आने के तीन मैच बाद वहीं लौट जायेंगे। इसलिए सुनिश्चित करें कि आप फिट हैं और एक बार टीम में आयें क्योंकि यह बहुत निराशाजनक है। न केवल टीम के लिए, खिलाड़ियों, बीसीसीआई, विभिन्न फ्रेंचाइजी के कप्तानों के लिये।''

उन्होंने कहा, ''मैं एक गंभीर चोट समझ सकता हूं, लेकिन हर चार मैच में जब कोई अपनी हैमस्ट्रिंग को छूता है या कोई अपनी कमर को छूता है, तो आप सोचने लगते हैं कि ये लोग क्या हैं... वे क्या प्रशिक्षण ले रहे हैं, क्या चल रहा है। इनमें से कुछ लोग साल भर कोई क्रिकेट भी नहीं खेलते हैं। यहां सिर्फ चार ओवर (आईपीएल में) डालने हैं।'' सुपरकिंग्स द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, चाहर को आईपीएल के अन्य मैचों में भाग लेने से पहले अपनी हैमस्ट्रिंग स्कैन करवाना होगा। उसके बाद ही टूर्नामेंट में उनकी उपलब्धता पर फैसला लिया जायेगा।